जामिया मिल्लिया इस्लामिया
जनसंपर्क एवं मीडिया समन्यवक कार्यालय
प्रेस विज्ञप्ति 08 सितम्बर, 2020

जामिया ने "विश्वविद्यालयों में अनुशासनः मुद्दे और चुनौतियां" पर वेबिनार का आयोजन किया

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के मुख्य प्रॉक्टोरियल डिपार्टमेंट ने "विश्वविद्यालय में अनुशासनः मुद्दे और चुनौतियां" पर आज एक वेबिनार का आयोजन किया। इसका मकसद विश्वविद्यालयों में अनुशासनहीनता के बदलते आयाम को समझना और उनके अनुसार, परिसरों में अनुशासन बनाए रखने के प्रयास करना है।

विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रो नजमा अख्तर वेबिनार की मुख्य अतिथि थीं और इसका संचालन जामिया की सहायक प्रॉक्टर डॉ शिखा कपूर ने किया।

चीफ प्रॉक्टर, प्रो वसीम खान, और वेबिनार के अध्यक्ष ने, मुख्य अतिथि और अन्य गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ज्ञान संचय के लिए अनुशासन जरूरी है और अनुशासन के बिना, ज्ञान हासिल नहीं किया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि प्रॉक्टोरियल डिपार्टमेंट छात्रों की आकांक्षाओं, विश्वविद्यालय के लक्ष्यों और सरकार की नीतियों के बीच पुल और मध्यस्थ है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल से अफवाह फैलाने और साइबर दुरूपयोग आदि के बढ़ने से हर रोज़ चुनौतियाँ बढ़ रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए , विश्वविद्यालयों को और अधिक उच्च तकनीक से लैस होना होगा।

जामिया की कुलपति, प्रो नजमा अख्तर कहा, "विश्वविद्यालयों ने कभी भी यह नहीं चाहा कि अनुशासन के लिए अतार्किक, कठोर और तर्कहीन नियमों को थोपा जाए। मेरा मानना है कि दमन के बजाय धारणा के माध्यम से अनुशासन सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है। हमें अपने परिसरों पर भय के बजाय प्यार और सम्मान का माहौल बनाना होगा। हमें शिक्षा के मौलिक उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए व्यापक गतिविधियों की योजनाएं बनानी होंगी और कक्षाओं, पुस्तकालयों, प्रयोगशालाओं तथा खेल के मैदानों में उसके अनुसार गतिविधियों को सुनिश्चित करनी होंगी"।

एएमयू के चीफ प्राक्टर, मोहम्मद वसीम अली, प्रो धनंजय सिंह, चीफ प्रॉक्टर, जेएनयू, प्रो ओपी राय, चीफ प्रॉक्टर, बीएचयू, श्री एपी सिद्दीकी (आईपीएस), रजिस्ट्रार एचएमआई, प्रो मेहताब आलम, डीएसडब्ल्यू जामिया, प्रो मसूद आलम, सुरक्षा सलाहकार जामिया, और प्रो सरवर आलम,

चीफ प्रॉक्टर, जामिया हमदर्द वेबिनार के वक्ताओं में शामिल थे। जामिया के रजिस्ट्रार श्री ए.पी. सिद्दीकी (आईपीएस) ने विश्वविद्यालयों में अनुशासन को लेकर व्यापक और उसके कई आयामो को पेश किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा के मंदिर हैं और समस्याओं को परिसरों के भीतर ही हल किया जाना चाहिए। उन्होंने आग्रह किया कि विश्वविद्यालयों को युवा दिमागों का ज्ञान विस्तार करना चाहिए और उन्हें विभिन्न विचारों का पता लगाने, व्यक्त करने और बढ़ावा देने की इजाज़त देनी चाहिए। लेकिन परिसरों और हॉस्टलों में किसी को परेशान करने की गतिविधियों को नियंत्रित करना होगा।

उप प्रॉक्टर और वेबिनार के संयोजक डॉ मोहम्मद असद मलिक, द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद के साथ वेबिनार का समापन हुआ।

अहमद अज़ीम
जनसंपर्क अधिकारी एवं मीडिया समन्वयक